वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 212 | गुरुवार 30 नवम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

वेटरनरी ऑफिसर भर्ती के रिजल्ट पर रोक

हाईकोर्ट ने RPSC और राज्य सरकार से मांगा जवाब, सुप्रीम कोर्ट ने नियुक्ति पर लगा रखी है रोक

जयपुर. कासं

वेटरनरी ऑफिसर भर्ती 2020 का फाइनल परिणाम जारी करने पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। जस्टिस गणेश राम मीणा ने डॉ. किशना राम की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश जारी किया है। याचिका में कहा गया था कि आरपीएससी ने इंटरव्यू में सामान्य वर्ग से ज्यादा अंक लाने वाले रिजर्व कैटेगरी के अभ्यर्थियों को शामिल नहीं किया, जिससे मेरिटोरियस अभ्यर्थी नियुक्ति से वंचित हो रहे हैं। हाईकोर्ट ने इंटरव्यू का परिणाम जारी करने पर रोक लगा दी। हालांकि कोर्ट ने इंटरव्यू प्रक्रिया को लेकर किसी तरह की रोक नहीं लगाई है। ऐसे में आरपीएससी इंटरव्यू जारी रख सकती है। कोर्ट ने आरपीएससी और राज्य सरकार से जवाब भी मांगा है।

मेरिटोरियस अभ्यर्थी हो जाएंगे बाहर

याचिकाकर्ता की ओर से पैरवी करते हुए एडवोकेट विज्ञान शाह ने कहा कि आरपीएससी ने स्क्रीनिंग टेस्ट (लिखित

परीक्षा) के बाद वर्गवार मेरिट बनाकर अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया, जिसमें आरक्षित वर्ग के कई अभ्यर्थी ऐसे हैं, जिनके अंक जनरल कैटेगरी के अभ्यर्थियों से ज्यादा है, लेकिन उन्हें इंटरव्यू में शामिल नहीं किया गया। याचिकाकर्ता का कहना था कि फाइनल परिणाम में 40 प्रतिशत मॉर्क्स स्क्रीनिंग टेस्ट के जोड़े जाएंगे। ऐसे में अगर ज्यादा अंक वाले अभ्यर्थियों को इंटरव्यू में ही शामिल नहीं किया जाएगा तो भर्ती परीक्षा से मेरिटोरियस अभ्यर्थी बाहर हो जाएंगे।

22 अक्टूबर 2019 को जारी हुई थी विज्ञप्ति

आरपीएससी ने भर्ती को लेकर 22 अक्टूबर 2019 को विज्ञप्ति जारी की थी। इसके बाद 2 अगस्त 2020 को लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। इसका परिणाम 26 नवम्बर 2020 को जारी करते हुए आरपीएससी ने 1878 अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए सफल घोषित किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने लगा रखी है नियुक्ति प्रक्रिया पर रोक

इसी भर्ती परीक्षा में नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने भी रोक लगा रखी है। इसी साल अक्टूबर 2023 में विष्णुदत्त सैनी और अन्य की एसएलपी पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह रोक लगाई थी। एसएलपी में कहा गया था कि भर्ती में मेरिट लिखित परीक्षा के 40 फीसदी, एकेडेमिक के 20 फीसदी और इंटरव्यू के 40 फीसदी अंकों को मिलाकर तय होनी है, लेकिन आरपीएससी स्क्रीनिंग परीक्षा के आधार पर ही इंटरव्यू में कॉल कर रहा है, जबकि स्क्रीनिंग व एकेडेमिक अंकों को जोड़कर उसमें मेरिट में आने वाले अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाना चाहिए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने भर्ती में नियुक्ति देने पर रोक लगा दी थी। अब हाईकोर्ट ने भर्ती में इंटरव्यू का परिणाम जारी करने पर ही रोक लगा दी है।

कहा- हमारी योजनाओं के कारण महिलाओं ने ज्यादा वोटिंग की, निर्दलीय कांग्रेस को ही समर्थन देंगे

डोटासरा बोले-कांग्रेस में सीएम की रेस में कोई नहीं

जयपुर. कासं

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा है कि सीएम की रेस में कोई भी नहीं है। पार्टी आलाकमान ने साफ कर रखा है कि विधायक दल की बैठक के बाद पार्टी आलाकमान जिसका निर्णय करेगा वही मुख्यमंत्री बनेगा। मैं रेस में नहीं हूं। कोई भी रेस में नहीं है, रेस में तो बीजेपी के कितने नेता हैं, क्या वे मुख्यमंत्री बन जाएंगे? हमारे तो आलाकमान जो फैसला करेगा वही हमारा मुख्यमंत्री बनेगा। डोटासरा जयपुर में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। डोटासरा ने कहा- पेपर लीक के मुद्दों को राजस्थान की जनता ने, युवा ने सिरे से खारिज किया। बीजेपी के पास मुद्दे नहीं थे, इसलिए इस मुद्दे को उठाया गया। मेरे लिए तो कुछ मेहमान दिल्ली से भी भेजे गए थे उससे और भी ज्यादा उत्साह कार्यकर्ताओं में आया। हर षड्यंत्र में बीजेपी फेल हुई है।

निर्दलीय और अन्य पार्टियों के विधायक बीजेपी नहीं कांग्रेस के पास आएंगे

निर्दलीयों से संपर्क के सवाल पर डोटासरा ने कहा- जब हमारा पूर्ण बहुमत आ रहा है तो निर्दलीय जीतकर आ रहे नेताओं से संपर्क का सवाल ही नहीं उठता। भाजपा और कांग्रेस में जमीन आसमान का अंतर है। भाजपा में आपसी विश्वास की खाई गहरी है। जो भी निर्दलीय या बागी होकर चुनाव लड़ रहे हैं उन्होंने हमारा पिछला कार्यकाल देखा है, वे भाजपा के साथ नहीं हमारे साथ होंगे। पिछली बार भी सारे निर्दलीयों ने और अन्य पार्टियों ने हमें समर्थन दिया था, आगे भी ऐसा ट्रेंड रहेगा। हमे पूर्ण बहुमत मिल रहा है लेकिन उसके अलावा जो कोई भी जीतेगा वह विकास और गुड गवर्नेंस को वोट करेंगे। वैसे भी भाजपा में तानाशाही और कांग्रेस में लोकतंत्र है, इसलिए जो बीजेपी के अलावा जीत कर आएंगे वह हमारा साथ देंगे।

योजनाओं के कारण महिलाओं ने पुरुषों से ज्यादा वोटिंग की

डोटासरा ने कहा- राजस्थान में बीजेपी में आपसी फूट थी। बीजेपी में सात आठ मुख्यमंत्री के स्वयंभू कैंडिडेट बने हुए थे, उन्होंने राजस्थान का मुद्दा कोई नहीं उठाया। हमारी सरकार का सबसे बड़ा काम सोशल सिक्योरिटी का था, उसमें ओपीएस प्रमुख बात है जो कर्मचारी को सिक्योरिटी देती है। इसके अलावा चाहे पेंशन हो, 25 लाख के इलाज की बात हो, महिलाओं के

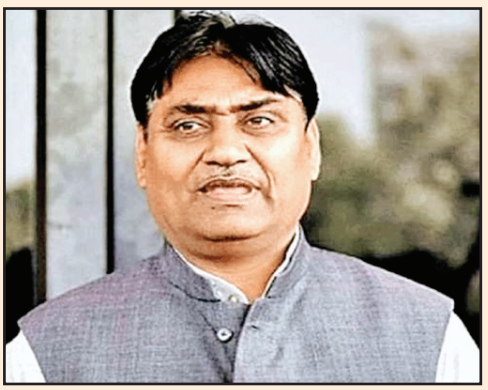

फ्री मोबाइल हो सब शानदार स्कीम्स हैं, महिलाओं ने इसीलिए पुरुषों से ज्यादा मतदान किया है। युवाओं ने भी वोट दिया है, भाजपा पहले भी नौकरी देने के मामले में हमसे पीछे थी, अब भी पीछे है। जो रुझान आ रहे हैं उसे यही निकाल कर आ रहा है की राज नहीं रिवाज बदलेगा और पूर्ण बहुमत से सरकार आएगी।

राजस्थान के जनजातीय क्रान्तिवीर

मोतीलाल तेजावत

भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के इतिहास में अंग्रेजों व जमींदारों के विरुद्ध अपनी-अपनी मातृभूमि, जंगल-जमीन को बचाने लिए तान्त्या भील, बिरसा मुण्डा, वीर नारायण सिंह, सिद्धो कान्हो आदि महान जनजातीय नेताओं के नेतृत्व में आदिवासियों ने अनेक विद्रोह किए है। इन्हीं नेतृत्वकर्ताओं में से एक हैं राजस्थान और गुजरात में आदिवासियों के मसीहा कहे जाने वाले एकी आन्दोलन के प्रणेता मोतीलाल तेजावत। क्रान्तिवीर मोतीलाल तेजावत का जन्म 1888 में उदयपुर झाड़ोल के पास कोल्यारी एक में हुआ। शिक्षा समाप्ति के बाद इन्हें झाड़ोल में ही नौकरी मिल गई, किन्तु अपने काम के दौरान अधिकारियों द्वारा भीलों, गरासियों और कृषकों का शोषण होता देखकर उनका मन विचलित हो गया। उन्होंने नौकरी छोड़ दी और आदिवासियों को अपने ऊपर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध जागरूक करने का कार्य आरम्भ कर दिया। तेजावत बिजोलिया आन्दोलन से बहुत प्रभावित थे। अतः उसी की तर्ज पर उन्होंने भीलों को इकट्ठा करना आरम्भ किया। उन्होंने गाँव-गाँव जाकर सभाएँ की और जनजातीय किसाने की माँगों का एक माँगपत्र तैयार करना शुरू किया। फलस्वरूप, उनके नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग एकत्रित होकर इस आन्दोलन से जुड़ते चले गए। तेजावत के प्रयासों से 1921 में मातृकुण्डिया में वैशाखी पूर्णिमा के मेले में आदिवासियों की पंचायत आयोजित हुई, जिसमें बेगार, लगान एवं जागीरदारों के अत्याचारों के विरुद्ध संघर्ष करने तथा अपनी समस्याओं से मेवाड़ के महाराणा को अवगत कराने का निर्णय लिया गया। इन्हीं सभाओं में मोतीलाल तेजावत ने सभी आदिवासियों को एकता की शपथ दिलाई, जिस कारण यह आन्दोलन 'एकी आन्दोलन' कहलाया। तेजावत के नेतृत्व में आदिवासियों ने अपनी 21-सूत्री माँगों को लेकर उदयपुर में धरना दिया। अन्ततः, महाराणा ने इनकी 18 माँगे मान लीं। यद्यपि तीन प्रमुख माँगे, जो जंगल से लकड़ी काटने, बीहड़ से घास काटने तथा सूअर मारने से सम्बधित थीं, आदिवासियों के जागरूक हो जाने से जमींदारों में रोष व्याप्त हो गया, जिसके

कारण उन्होंने तेजावत की हत्या का प्रयास किया। इस घटना से उद्विग्न होकर भीलों ने झाड़ोल को घेर लिया और अपराधियों को दण्ड देने के आश्वासन पर ही वे वहाँ से हटे। देखते-ही-देखते, यह आन्दोलन मेवाड़ की सीमा के बाहर भी अपने पंख फैलाने लगा और सिरोही तक पहुँच गया। आन्दोलनकारियों एवं आस-पास के स्थानीय लोगों में एकी आन्दोलन और तेजावत की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए मेवाड़ सरकार ने तेजावत की गिरफ़्तारी पर 500 रुपए का इनाम घोषित कर दिया। बहुत प्रयासों के बावजूद भी सात वर्षों तक तेजावत को बन्दी नही बनाया जा सका। जमिंदारों के इन असफल प्रयत्नों व आन्दोलन के बढ़ते प्रभाव को देख अंग्रेजी सरकार सकते में आ गई। 7 मार्च 1922 को तेजावत के नेतृत्व में एकी आन्दोलन के अन्तर्गत पाल- चितारिया में आदिवासियों की एक विशाल जनसभा हो रही थी। वहीं ब्रिटिश अधिकारी मेजर एच. जी. सटनके नेतृत्व में सभा मैं मौजूद सभी लोगों पर अन्धाधुन्ध गोलियाँ बरसाई गई, जिसमें असंख्य जनों की मृत्यु हो गई। इस आन्दोलन व घटना को दबाने के लिए अंग्रेजों ने आस-पास के कई जला डाले ताकि कोई प्रमाण शेष न बच जाए। इस घटना में तेजावत को भी पांव में 2 गोलियां लगीं। उनके साथी किसी प्रकार उन्हें वहाँ से बचाकर निकाल ले गए। जलियाँवाला बाग के बाद यह अंग्रेजों द्वारा किया गया दूसरा बड़ा नरसंहार था। यह घटना जलियाँवाला बाग की घटना के ठीक तीन वर्ष बाद हुई थी, लेकिन इसे इतिहास में इसका उचित स्थान कभी नहीं मिला। अंग्रेज इस घटना को सामने नहीं आने देना चाहते थे, अतः उन्होंने योजनाबद्ध प्रक्रिया से इस घटना को दबा दिया, ताकि इसकी आग पूरे देश में न फैले। भले ही मेजर सटन ने माल 22 लोगों की मृत्यु का आँकड़ा दिया हो और इस नरसंहार को सरकारी दस्तावेजों से मिटा दिया हो, पर जैसा कि कहा जाता है: बलिदानियों के रक्त की एक बूँद भी जिस मिट्टी पर गिरी हो, वह मिट्टी अपने इतिहास का वर्णन स्वयं करती है। एक अनुमार के अनुसार, उस समय वहाँ 1200 निर्दोष लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, और वहाँ स्थिति दो कुएँ उन बलिदान हुए आदिवासियों से पाट दिए गए थे। इस दुर्दान्त घटना के बाद भी तेजावत ने राष्ट्रीय आन्दोलनों में भाग लेने का क्रम अटूट रखा और पुनः जेल गए। स्वतन्त्रता के बाद वह पाल- चितारिया गए और पुनः उसी स्थान पर सभा की। वहाँ वीरगति को प्राप्त हुए प्रत्येक वीर को श्रद्धांजलि अर्पित की और इसे वीरभूमि का नाम दिया। इसके अलावा स्थानीय लोगों से हर वर्ष 7 मार्च को इन बलिदानियों के नाम पर मेला लगाने को कहा, जो आज भी आयोजित होता है। स्वाधीनता के बाद भी उन्होंने आदिवासियों के मध्य रचनात्मक कार्य करना जारी रखा। 14 जनवरी 1963 को मोतीलाल तेजावत की मृत्यु हो गई। पाल-चितारिया में हुए इस नरसंहार में दाधवाव गाँव के लोगों ने भी हिस्सा लिया था, इसलिए इसे 'पाल-दाधवाव नरसंहार' के रूप में भी जाना जाता है। यह स्थान वर्तमान गुजरात के साबरकांठा जनपद के विजयनगर तालुका में स्थित है। देश के वर्तमान प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमन्त्री थे, तो उन्होंने के में नरसंहार स्थल पर मोतीलाल तेजावत का स्मारक बनवाकर इस घटना को विश्व के समक्ष लाने में अपना योगदान दिया।

-डॉ दर्शना जैन, जयपुर

पंचकल्याणक महोत्सव में तीर्थंकर नेमिनाथ का विधि पूर्वक आहार हुआ

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। न्यू हाउसिंग बोर्ड शास्त्री नगर श्री आदित्य सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में श्री नेमिनाथ जिन बिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के चौथे दिन ज्ञान कल्याणक महोत्सव उत्साह पूर्वक मनाया गया। समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया की प्रातः नेमिनाथ तीर्थंकर आहार लिए निकलते हैं। जहां पडगाहन करते हैं।श्रावक दिनेश कुमार सेठिया परिवार को विधि मिलने पर प्रथम तीर्थंकर को आहार देने का सौभाग्य प्राप्त मिला। उसके बाद जिन्होंने नियम संकल्प लिए उन श्रावक- श्राविकाओं ने बारी-बारी- से तीर्थंकर नेमी कुमार को आहार दिया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण तीर्थंकर नेमीनाथ के आहारचार्य को देखी। दिन में मुनि श्री आदित्य सागर महाराज मुनिश्री अप्रमित सागर महाराज, मुनिश्री सहजसागर महाराज ने विधि- विधान पूर्वक करीब 150 प्रतिमाओं पर बीजाक्सर अक्षरों से मंत्र न्यास किया। प्रतिष्ठाचार्य के

निर्देशन में सभी प्रमुख पात्र इंद्र-इंद्राणियों ने प्रतिमाओं को केवलज्ञान दिए जाने की संपूर्ण क्रियाएं कर हवन कुंड में पूणार्हुति दी। इस उपरांत गणधर की जगह श्रुत संवेगी मुनिश्री आदित्य सागर महाराज, मुनिश्री अप्रमित सागर जी महाराज, मुनिश्री सहजसागर महाराज समोशरण में विराजमान होते हैं। जहां दिव्यध्वनि खिरती है। सारे देवगण उपस्थित होते हैं। प्रमुख पात्र इंद्र-इंद्राणिया के शंकाओं का समाधान मुनिश्री करते हैं। मुनि श्री ने संबोधित करते हुए कहा कि तीर्थंकर के द्वारा उत्कृष्ट तत्व, द्रव्य, पदार्थों पर श्रद्धान करता है। वह जीव सम्यकत्व को प्राप्त करता है। एवं एक दिन वह निर्वाण को प्राप्त कर लेता है। ध्यान अध्ययन करने वाला श्रमण धर्म होता है। एवं दान, पूजन करने वाला श्रावक धर्म होता है। मुनिश्री ने कहा भगवान के पास याचक बनकर मत जाना, प्रार्थना करना। रात्रि में संगीत सम्राट रूपेश जैन एक शाम नेमिनाथ के नाम भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें गायक रूपेश जैन ने भक्ति गीत स्वर लहरियों में संगीत के साथ गाकर भक्तगण झूम उठे। बड़ी संख्या में भक्तगण पहुंचकर संगीत गीतों का भरपूर आनंद लिया।

पुरूषार्थ और परोपकार करने वाला इंसान मानव भव को सार्थक बना सकता है: महासाध्वी प्रितीसुधा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। संसार में सबसे श्रेष्ठ भव मानवभव। बुधवार शांतिभवन भोपालगंज में महासाध्वी डॉ.प्रितीसुधा ने चातुर्मास विहार के प्रश्चात प्रथम धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि संसार में मनुष्य भव मिलना अत्यंत दुर्लभ है फिर भी इंसान मानव योनी को प्राप्त करने बाद जीवन में पुरूषार्थ और परोपकार नहीं करता है और राग-द्वेष और मोह-माया मे जीवन को व्यतित करने वाला मनुष्य अपनी आत्मा को संसार में जन्म और मृत्यु के फेरो से नहीं रोक सकता है। वही मनुष्य संसार से आत्मा को बाहर निकाल सकता है जो संसार की नश्वरता और मोह माया का त्याग करेगा तो वह मानव भव सार्थक बना सकता है। साध्वी संयमसुधा ने भजन के माध्यम अपने विचार रखें। शांति भवन के उपाध्यक्ष सुशील चपलोत ने जानकारी देतें हुए बताया इसदौरान अनेक गणमान्य अतिथियों के अलावा श्री शांतिभवन के अध्यक्ष महेन्द्र छाजेड़,नवरतन मल बम्ब,राजेन्द्र चीपड़,मनोहरलाल सूरिया, बाबूलाल सूर्या प्रवीण कोठारी एवं शांति जैन महिला मंडल की प्रेरणा लोढ़ा,नीता बाबेल, लाड़जी मेहता,स्नेहलता चौधरी आदि ने एस. एस.पी ग्रुप और से सुनिल चपलोत को शोल माला और पारितोषिक देकर श्रीसंघ ने सम्मानित किया गया। गुरूवार को साध्वीवृंद न्यू आजाद नगर के नाथकंवर स्वाध्याय भवन तथा 1 दिसम्बर शुक्रवार को सज्जन विलास कॉलोनी ललित-नीता बाबेल के निवास स्थान पर प्रातः09:00 बजे से10:00 बजें तक साध्वी मंडल के सानिध्य मे सामूहिक जाप रखा गया है।

रिपोर्ट: निलिष्का जैन

विराटनगर में स्थित पावन धाम दरबार धोक लगाने पहुंची अर्चना शर्मा

पंचखंड पीठाधीश्वर आचार्य सोमेंद्र महाराज जी के साथ पूजा में हुई शामिल

विराटनगर. शाबाश इंडिया। आज प्रातः विराटनगर में स्थित पावन धाम पहाड़ी पर प्रकृति की असीम सुदंरता के बीच में स्थित वज्रांग मंदिर में हनुमान जी का आशीवार्द लेने पहुंची। यह एकमात्र तीर्थ है जहां दोनों पवन सुपुत्रों हनुमान जी और भीम की पूजा होती है। इसके बाद भीम जी की डूंगरी की गुफा में स्थित एकादश शिवलिंग महादेव का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। फिर जयपुर आकार कार्यकर्ताओं की मीटिंग ली उसके बाद मालवीय नगर विधानसभा के वार्ड 144 के अध्यक्ष मनीष के स्वास्थ्य की जानकारी लेने उनके निवास स्थान पर पहुंची गौर तलब रहे कि मनीष चावला को मतदान के दिन हार्ट अटैक आ गया था। उसी समय झालाना ग्राम में गोलीबारी की सूचना पाकर पीड़ित परिवार से मिलने झालाना ग्राम पहुंची।

35 देशों के अधिकारियों ने विधान सभा के डिजिटल म्यूजियम का अवलोकन किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान विधान सभा के म्यूजियम को 35 देशों के अधिकारियों ने बुधवार को अवलोकन किया। म्यूजियम में विधान सभा संचालन के विभिन्न डिजिटल दृश्यों, मॉडल्स और चित्रों को देखकर विभिन्न देशों के अधिकारीगण अभिभूत हुए। इन अधिकारियों ने राजस्थान की गौरवमयी गाथा, वर्तमान राजस्थान व उसकी संरचना, विधान सभा की कार्यप्रणाली तथा विभिन्न प्रक्रियाओं को देखा। उल्लेखनीय है कि 35 देशों के यह अधिकारी दी इण्डियन इन्सटीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में डाटा एनालिटिक्स एण्ड रिस्क विषय पर तीन सप्ताह के अन्तरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे है। यह दल अध्ययन भ्रमण के दौरान जयपुर यात्रा पर है। इस दल में श्रीलंका, म्यांमार, फीजी, गुनिया, केन्या, कम्बोडिया, मैक्सिको, ओमान, किजिग्स्तान, साउथ सूडान, ताजिकिस्तान, ट्रिनिडेड एण्ड टोबेगो, मेडास्कर, इण्डोनेशिया, गाम्बिया, घाना, तंजानिया, ईथिओपिआ, अर्जेन्टिना और भूटान के अधिकारीगण शामिल थे।

वॉइस ऑफ जे एस जी की ट्रॉफी का अनावरण

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्दर्न रीजन के तत्वावधान में होने वाले वॉइस ऑफ जे एस जी की ट्रॉफी का अनावरण आज रीजन चेयरमैन महेंद्र सिंघवी द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य संयोजक डॉ राजीव जैन, संयोजक पवन जैन, प्रवीण झांझरी, जनक ग्रुप की अध्यक्ष रश्मि जैन , सचिव मनोज जैन ,जावेद हुसैन सहित अन्य उपस्थित रहे। जैन सोशल ग्रुप के सदस्यों के लिए आयोजित इस गायन प्रतियोगिता का ग्रांड फिनाले आगामी 3 दिसंबर को महावीर स्कूल में आयोजित होने जा रहा है। मुख्य संयोजक डॉ राजीव जैन जानकारी देते हुए बताया की जैन सोश्यल ग्रुप जनक और अरिहंत इस कार्यक्रम को संयुक्त रूप से आयोजित कर रहे हैं जिसमें सात प्रतियोगी खिताब के लिए अपनी प्रस्तुतियां देंगे। कार्यक्रम के मुख्य अथिति मोहित -लवीना जैन पाटनी हैं। संगीत जगत के ख्यातनाम कलाकार प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में मौजूद रहेंगे।

वेद ज्ञान

सद्गुणों का महत्व

परिस्थितियां कैसी भी विषम क्यों न हों, राह पर चलते जाना ही धर्म है। गुण स्वभाव का अंग हो जाते हैं तभी उन्हें गुण कहा जाता है। स्थितियों के अनुसार उन्हें अपनाना या त्याग देना सबसे बड़ा अवगुण है। शीतलता चंदन का गुण है, जो हर हाल में बना रहता है। चंदन के पेड़ पर कितने ही विषैले सांप लिपटे हों, उसकी शीतलता बनी रहती है। यदि एक वृक्ष अपने गुणों पर इस तरह दृढ़ रह सकता है, तो मनुष्य क्यों नहीं, जिसे ईश्वर ने बौद्धिक चेतना प्रदान कर उसे जीवों में विशिष्ट बना दिया है। दया, परोपकार, क्षमा, दान और साहचर्य जैसे तत्व मनुष्य की रचना में ही समाहित हैं और उन पांच तत्वों का प्रतिनिधित्व करते हैं जिनसे यह तन बना है। इनसे विरत होना अपने संरचनात्मक स्वभाव से दूर जाना है। भूमि, जल, वायु, अग्नि और क्षितिज एक साथ बने रहते हैं तो सृष्टि का अस्तित्व है और मनुष्य का भी। इनका असंतुलन यदि सृष्टि को विनाश की ओर ले जाने वाला है, तो मनुष्य को भी। जीवन में तमाम समस्याओं से सामना होता रहता है। मनुष्य का धर्म है कि सहज रहकर अपने गुणों से उनसे पार पाने की चेष्टा करे। किसी का भी जीवन कभी भी निष्कंटक नहीं रहा है। संसार में जो महापुरुष हुए हैं, उन्होंने भी असीम दुख सहे। उनके मार्ग में रोंगटे खड़े कर देने वाली बाधाएं आईं, किंतु वे अविचलित रहे तो अपने सद्गुणों के कारण। इसीलिए आज उनकी पूजा होती है। उनकी उपलब्धियों को संसार ने याद रखा है। वास्तव में सुख और दुख की अवधारणा ही दोषपूर्ण है। मनुष्य कर्मों की पूंजी एकत्र करता चले, तो वह सुख और दुख से ऊपर उठ जाता है और निर्लिप्त अवस्था प्राप्त कर लेता है। मनुष्य को उसके कर्मों के अनुसार ही फल मिलना है। हर मनुष्य को जीवन में सम्मान और प्रतिष्ठा चाहिए। माना जाता है कि अंततोगत्वा सुख इसी से मिलता है। धन, संपदा, कुल, वंश, ज्ञान पद की प्राप्ति का मनोरथ तो समाज में सम्मान और आदर पाना ही है। सद्गुणों से प्राप्त सम्मान स्थाई रहता है, किंतु ऐसा मनुष्य उस आत्मिक अवस्था को प्राप्त कर चुका होता है जहां मान व अपमान, निंदा और स्तुति उसके लिए बेमानी हो जाते हैं। मात्र अपने कर्म करते जाने में ही उसे असीम आनंद मिलता है। जिन कार्यों से आत्म संतुष्टि मिले, वे ही सद्कर्म हैं और सद्गुणों के प्रतीक हैं। इनसे ही जीवन का प्रवाह बना रहता है।

संपादकीय

मणिपुर हिंसा में दो सौ लोगों की मौत के बाद भी समस्या का निपटारा नहीं

मणिपुर में अमन के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण रास्ता वहां हिंसा में शामिल समूहों को बातचीत की मेज पर लाना है। सरकार कहती तो रही है कि हिंसा फैलाने वाले समूहों से बातचीत कर समस्या का हल निकालने की कोशिश की जाएगी, मगर अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है। हालत यह है कि मई महीने में शुरू हुई हिंसा आज भी जारी है और समस्या का कोई सर्वमान्य हल नहीं निकाला जा सका है। हालांकि इस बीच प्रशासनिक सख्ती और सेना के इस्तेमाल से अराजकता पर नियंत्रण की कोशिश की गई, मगर उसमें भी कोई बड़ी कामयाबी नहीं मिली। अब राज्य के मुख्यमंत्री का कहना है कि उनकी सरकार इंफल घाटी के एक उग्रवादी समूह के साथ वार्ता कर रही है और जल्द ही शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। हालांकि जिस समूह से बातचीत के बारे में कहा गया है, फिलहाल उसका नाम नहीं बताया गया है। सवाल है कि अगर सरकार इस ओर कदम बढ़ाती दिख रही है तो

क्या किसी एक उग्रवादी समूह से बातचीत के जरिए समस्या का हल निकाला जा सकेगा! गौरतलब है कि मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के प्रस्ताव से उठे विवाद के बाद जिस स्तर का विरोध शुरू हुआ था, उसने समूचे राज्य में व्यापक जातीय हिंसा की शक्ल ले ली। मैतेई और कुकी समुदाय के बीच जानलेवा टकराव के दौरान अब तक लगभग दो सौ लोगों की जान जा चुकी है। इसमें सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी यही थी कि मैतेई समुदाय को अगर अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने को लेकर कोई विवाद है, तो वह उसे पक्ष-विपक्ष के संबंधित समुदायों के बीच संवाद के जरिए सुलझाए। मगर ऐसा लगता है कि इस मसले पर उठे टकराव के प्रति धुंध और उसके बाद उपजी अराजकता को लेकर उदासीनता बरती गई। नतीजतन, पिछले करीब सात महीने से मणिपुर में हिंसा जारी है और आज भी कुकी समुदाय के लोगों को निशाना बना कर हत्या की जाती है। जिस मसले का हल बातचीत से निकाला जा सकता था, उसके जटिल होने से नाहक हुई हिंसा में बहुत सारे लोग मारे गए, भारी पैमाने पर संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया। अब अगर सरकार ने शांति कायम करने के लिए वार्ता का संकेत दिया है तो उसमें सिर्फ एक उग्रवादी समूह से बातचीत का हासिल क्या होगा? यह छिपा नहीं है कि राज्य में मौजूदा हिंसक और अराजक हालात में कई गुट शामिल हैं और सबकी अपनी-अपनी राय होगी। अगर उन प्रभावी गुटों को बातचीत में शामिल नहीं किया जाएगा, तो किसी एक समूह से वार्ता और शांति समझौता कितना स्थायी और दूरगामी हो सकता है? इससे पहले सुप्रीम कोर्ट और केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से निगरानी और शांति समितियों के जरिए स्थिति को संभालने की कोशिश की गई, मगर उनका ठोस हासिल नहीं रहा। इसके अलावा, एक ओर सरकार ने हिंसा पर काबू पाने की अप्रभावी कोशिशों के समांतर सभी पक्षों को एक मेज पर लाने के प्रति या तो उदासीनता दशार्यी या फिर नाकाम रही। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

नए-नए वायरस

चार साल पहले यही मौसम था, सर्दी की शुरूआत ही हुई थी, जब चीन से कोरोना वायरस की लहर उठी और देखते-देखते पूरी दुनिया उसकी घातक चपेट में आ गई थी। इस साल फिर वहां एक वायरस के प्रसार की सूचनाएं मिल रही हैं और यह वायरस भी इंसान, विशेषकर बच्चों के श्वसन-तंत्र पर हमला कर रहा है। लिहाजा, चीन में फैल रही माइकोप्लाज्मा निमोनिया और इन्फ्लूएंजा (फ्लू) को लेकर दुनिया भर में स्वाभाविक चिंता देखी जा रही है। हालांकि, यह कोई नया वायरस नहीं है और इसे फिलहाल वहां भी नियंत्रण में बताया जा रहा है, लेकिन इसके मरीजों की संख्या काफी तेजी से बढ़ रही है। इसीलिए, भारत सरकार ने भी अपने यहां सुरक्षा को लेकर तमाम तरह के दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। राज्य सरकारों और अस्पतालों को निमोनिया के मरीजों की खास निगरानी करने और जरूरी एहतियाती उपाय अपनाने को कहा गया है। सवाल यह है कि इस इन्फ्लूएंजा और कोरोना वायरस में कितनी समानता है? निश्चित तौर पर, ये दोनों ही वायरस काफी तेजी से फैलते हैं और दोनों के पास महामारी पैदा करने की पर्याप्त क्षमता है। फिर भी, दोनों एक-दूसरे से अलग प्रकृति के वायरस हैं। दरअसल, चीन में जिस एच9एन2 वायरस की वजह से इन्फ्लूएंजा फैला है, उसकी कई लहर आ चुकी है, और यह ऐसे ही आती रहेगी, क्योंकि इसका रूप बड़ी तेजी से बदलता है। किसी भी वायरस के रूप में बदलाव वास्तव में दो तरह से होता है, जिसे तकनीकी शब्दावली में 'ड्रिफ्ट' और 'शिफ्ट' कहते हैं। ड्रिफ्ट का मतलब होता है वायरस के जीन में मामूली बदलाव, जिसमें सतह के प्रोटीन में भी कुछ हद तक बदलाव होते हैं, जबकि शिफ्ट में अचानक इतना बड़ा बदलाव होता है कि उससे वायरस में नया प्रोटीन बन जाता है। चूंकि इसमें प्रोटीन नया होता है, इसलिए शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली उसको पकड़ने में सफल नहीं हो पाती। एच9एन2 वक्त के साथ नए-नए रूप लेता रहता है, जिसके कारण कमोबेश एक नियमित अंतराल पर मानव आबादी इसकी चपेट में आती रहती है। यही वजह है कि एच9एन2 वायरस पर 2019 के बाद से हरसंभव निगाह रखी जा रही है। अभी इस बीमारी के फैलने की एक और वजह है। इन्फ्लूएंजा आमतौर पर सर्दी के मौसम में ही फैलता है। अभी चीन में तेज सर्दी पड़ रही है और कोरोना के समय लगाए गए प्रतिबंध भी हटा लिए गए हैं। इसके मरीज उन इलाकों या शहरों में अधिक आ रहे हैं, जो काफी उन्नत है और जहां पर जनसंख्या घनत्व ज्यादा है। चूंकि बच्चे एक-दूसरे के संपर्क में अधिक रहते हैं, इसलिए उनमें इस निमोनिया का प्रसार काफी ज्यादा हो रहा है। फिलहाल राहत की बात यह है कि वहां मौत की खबरें कम हैं। वैसे भी, इन्फ्लूएंजा वायरस या बीमारी बुजुर्गों में अधिक घातक होती है। इसका इलाज आमतौर पर वही है, जो अन्य इन्फ्लूएंजा का है और लक्षण भी समान रूप से सर्दी-जुकाम ही हैं। बीमारी के लक्षण को देखकर ही इसका उपचार किया जाता है। इन्फ्लूएंजा वायरस चूंकि नियमित तौर पर दुनिया भर में फैलता रहा है, इसलिए भारत भी इससे अछूता नहीं रहा है। संभवत यह नया वायरस भी यहां आ सकता है। बस दिक्कत यह है कि इसका पता जब तक चल पाता है, तब तक काफी देर हो चुकी होती है और इसका चारों ओर संक्रमण फैल चुका होता है। चीन में भी अस्पताल हांफने लगे हैं, क्योंकि उन पर अचानक मरीजों का बोझ आ गया है।

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एसएफएस राजावत फार्म मानसरोवर जयपुर

आचार्य श्री विमल सागर जी महाराज 108 आचार्य श्री भारत सागर जी महाराज के चरण स्थापित किए

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एसएफएस राजावत फार्म मानसरोवर जयपुर में आचार्य श्री विमल सागर जी महाराज 108 आचार्य श्री भारत सागर जी महाराज के चरण एक भव्य समारोह में स्थापित किए गए। परम पूज्य आर्यिका रत्न 105 श्री भरतेश्वरमति माताजी व डा. कमलेश जैन शास्त्री बनारस वालों के सानिध्य में आचार्य 108 श्री विमल सागर जी महाराज व आचार्य 108 श्री भरत सागर जी महाराज के चरण वेदी में प्रतिष्ठापित किए गए। प्रातः 6.30 बजे- नित्य नियम अभिषेक व शांति धारा अशोक रोहित मासूम एकता पुष्पा कासलीवाल परिवार, सुरेंद्र बबीता जैन पाटनी परिवार सुमेर नगर के द्वारा शांति धारा की गई। 7.30 बजे- साज बाज के साथ पूजन एवं वेदी शुद्धि कार्यक्रम महिला मंडल के द्वारा किया गया। 8.15 बजे- माताजी के पाद प्रक्षालन समाज श्रेष्ठि श्रीमती प्रेम देवी नवीन गंगवाल चकवाडा वाले, शास्त्र भेंट श्रीमती प्रेमा लुहाडिया परिवार द्वारा किया गया। वेदी पर चरण स्थापित करने का सौभाग्य मनोज शालिनी कुशाल छाबड़ा , विजय कुमार पुष्पा बोहरा कीर्ति नगर वाले एवं सुनील सौरभ गौरव कासलीवाल परिवार थड़ी मार्केट को सौभाग्य प्राप्त हुआ। वेदी पर यंत्र जी सिद्धांत विकास राकेश सुनीता अनुकंपा दीदी संघ, नरेंद्र कुसुम राजेश नीता सौभाग मल अंजना धर्मचंद पायल ज छाबड़ा, लालचंद किरण कमलेश रिचा पांडे, महेंद्र विमला लुहाड़िया, अनंत मोहन सुमन कासलीवाल, विजय प्रकाश पुष्पा सुरेंद्र तारा देवी सेठी, अशोक नवरत्न विनोद किरण झंझरी परिवार द्वारा विभिन्न क्रियाओं में सहयोग प्रदान किया गया। तत्पश्चात आचार्य 108 श्री विमल सागर जी आचार्य 108 श्री भरत सागर जी की एवं पूज्य आर्यिका रत्न 105 भरतेश्वरी माताजी की साज संगीत से जीतू जैन प्रताप नगर द्वारा पूजा की गई जिसका संचालन महिला मंडल अध्यक्ष उर्मिला पाटनी ने किया। समिति अध्यक्ष डॉक्टर राजेश काला ने बताया कि वेदी का निर्माण भारत के प्रसिद्ध मूर्तिकार हंसराज मोहनलाल प्रजापति द्वारा किया गया। समिति महामंत्री सौभाग मल जैन ने आए हुए सभी अतिथियों का माला और तिलक लगाकर सम्मान किया।

श्री दिगम्बर जैन मन्दिर जनकपुरी ज्योति नगर जयपुर में मुनि संघ का हुआ मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। बुधवार 29 नवम्बर को माँग्यावास मन्दिरजी से मंगल पद विहार कर आचार्य वसुनंदी जी के शिष्य मुनि त्रय सर्वानन्दजी , ज़िनानन्दजी व पुण्या नन्दजी मुनिराज का गाजे बाजे के साथ जनकपुरी ज्योति नगर जैन मन्दिरजी में मंगल प्रवेश हुआ। मन्दिर समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि रास्ते में श्रावकों ने पाद प्रक्षालन व आरती कर स्वागत किया वहीं मन्दिर जी के बाहर मंगल कलश लिए महिलाओं ने अगवानी की । मन्दिर जी में प्रवेश के बाद उपस्थित समाज जनों को मुनि श्री 108 ज़िनानंद जी, महाराज ने आशीर्वचन में कहा कि आप पूरे दिन में थोड़ा सा समय स्वयं को भी दीजिए वही आपके आत्म कल्याण में सहायक होगा । मुनि श्री का नित्य प्रातः 8.15 बजे प्रवचन तथा दिन में तीन बजे स्वाध्याय का कार्यक्रम रहेगा । वही यहाँ चातुर्मास कर रही आर्यिका विशेष मति माताजी का विहार दिन में थडी मार्केट के लिए हुआ ।

श्री सांवलिया पार्श्वनाथ की भव्य वेदी प्रतिष्ठा एवं रथ यात्रा महोत्सव प्रारंभ

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आयोजित भव्य वेदी प्रतिष्ठा एवं रथ यात्रा माहोत्सव चार दिवसीय कार्यक्रम बुधवार से श्री सांवलिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बड़ा मंदिर में ध्वजारोहण के साथ शुरू हुआ। जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि राजस्थान प्रांत की वीर प्रस्विनी धरा पर सुदूर दक्षिण पूर्व में स्थित मालवा अंचल से जुड़ी झालावाड़ जिले की धर्म नगरी पिड़ावा में शताब्दियों से चली आ रही परंपरानुसार देवाधिदेव 1008 भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की भव्य रथ यात्रा महोत्सव का आयोजन बड़े ही हर्ष एवं उल्लास के साथ मिति अगहन बुदी पांच शनिवार दिनांक 2 दिसंबर 2023 को होने जा रहा है इसमें समाधिस्थ परम पूज्य 108 श्री ब्रह्मानंद सागर महाराज के आशीर्वाद से एवं परम पूज्य आचार्य 108 श्री सुव्रत सागर महाराज के पावन सानिध्य व प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी पंडित श्री जयकुमार जी निशांत टीकमगढ़ के कूशल नेतृत्व, सह प्रतिष्ठाचार्य पंडित कल्याणजी, कोटा, पंडित राजकुमार जैन पिडावा के द्वारा भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का कार्यक्रम 29 नवंबर बुधवार से प्रारंभ हुआं जिसमें बुधवार को प्रातःकाल अभिषेक, शान्तिधारा, नित्य नियम की पूजन, यन्त्र जी की पूजन, जापोष्ठान, दोपहर को 2 बजे देव आज्ञा, गुरू आज्ञा के बाद श्री मति प्रकाश देवी, संजय जैन अध्यापक, सतीश जैन पुत्र फतेहसिंह जैन परिवार के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। उसके बाद बेण्ड़ बाजे के साथ घटयात्रा का जूलूस निकाला गया। जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुवे बड़ा मंदिर पहुंचा शोभायात्रा में पुरुष वर्ग सफेद वस्त्र में व माताएं, बहने केसरिया साड़ी में चल रही थी शोभायात्रा मन्दिर में पहुंची जहां मंडल शुद्धि की गई। रात्रि में भगवान की मंगलमय आरती व भक्ति की गई उसके बाद पंडित जय कुमार निशांत के प्रवचन हुवे उसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

शारिब हाशमी न सिर्फ अपनी एक्टिंग से बल्कि अपनी होस्टिंग से भी जीत रहे हैं लोगों का दिल

प्रतिष्ठित फिल्मफेयर ओटीटी अवार्ड को किया होस्ट

जयपुर. शाबाश इंडिया। बहुमुखी अभिनेता शारिब हाशमी, जिन्होंने हाल ही में 'अफवाह', 'जरा हटके जरा बचके' और 'तरला' जैसी पॉजेक्ट का हिस्सा बन लगातार तीन हिट्स दे चुके हैं प्रतिष्ठित फिल्मफेयर ओटीटी अवाड्र्स 2023 की मेजबानी की। जाने-माने अभिनेता अपने त्रुटिहीन प्रदर्शन के लिए, हिंदी फिल्म उद्योग के सबसे महत्वपूर्ण पुरस्कार समारोहों में से एक में अपनी बुद्धि और करिश्मा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। शारिब हाशमी कहते हैं, अपने बचपन के दिनों से ही सिनेमा का बहुत बड़ा प्रशंसक होने के नाते, मैं अपने प्रारंभिक वर्षों के दौरान पुरस्कार समारोहों, विशेष रूप से प्रतिष्ठित फिल्मफेयर पुरस्कारों को देखकर बड़ा हुआ हूँ! यह एक बहुत बड़ा अवसर था, और मैं इस साल फिल्मफेयर ओटीटी अवाड्र्स की मेजबानी करने के लिए वास्तव में आभारी हूं - कुछ ऐसा जिसकी मैंने एक दर्शक और एक अभिनेता के रूप में हमेशा से प्रशंसा की है। मैं एक मेजबान के रूप में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए उत्सुक था और मुझे उम्मीद है कि वे मुझे मेरे नए अवतार में पसंद करेंगे।

न्यू आजादनगर में चतुर्विद संघ का मिलन, परस्पर अभिवादन के साथ धर्म संदेश प्रदान

मुनि हर्षलाल स्वामी एवं महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. का आध्यात्मिक मिलन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाडा। शहर के न्यू आजादनगर आई सेक्टर में बुधवार सुबह उस समय चतुर्विद संघ के मिलन का नजारा पेश हुआ जब रूप रजत विहार से चातुर्मास सम्पन्न करने वाले मरूधरा मणि महासाध्वी जैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या वात्सल्यमूर्ति इन्दुप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा का कमला क्रिस्टल से न्यू आजादनगर में विहार के दौरान आजादनगर आई सेक्टर में सुश्रावक निर्मल पानगड़िया के निवास पर तेरापंथ धर्मसंघ के वरिष्ठ संत पूज्य मुनि हर्षलालजी स्वामी आदि ठाणा से आध्यात्मिक मिलन हुआ। तेरापंथ भवन नागौरी गार्डन में चातुर्मास सम्पन्न कर मुनि हर्षलाल स्वामी, पारस मुनिजी एवं यशवन्त मुनिजी म.सा. एवं पुर में चातुर्मास सम्पन्न कर पूज्य प्रतीक मुनिजी, पदम मुनिजी एवं मोक्ष मुनिजी म.सा. न्यू आजादनगर पानगड़िया निवास पधारे थे। यहीं पर न्यू आजादनगर में पधारे पूज्य इन्दुप्रभाजी म.सा., आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा., प्रबुद चिन्तिका डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा., तत्वचिन्तिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा., आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा., तरूण तपस्वी हिरलप्रभाजी म.सा. का आगमन होने से चतुर्विद संघ का मिलन हो गया। इस दौरान पूज्य मुनि हर्षलाल स्वामी एवं महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा ने परस्पर अभिवादन के साथ एक-दूसरे के सुखसाता पूछी ओर धर्म संदेश प्रदान किया। मुनि हर्षलाल स्वामी ने सभी को आशीर्वाद प्रदान करते हुए संयम जीवन में आध्यात्मिक पथ पर आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा दी एवं मांगलिक प्रदान किया।

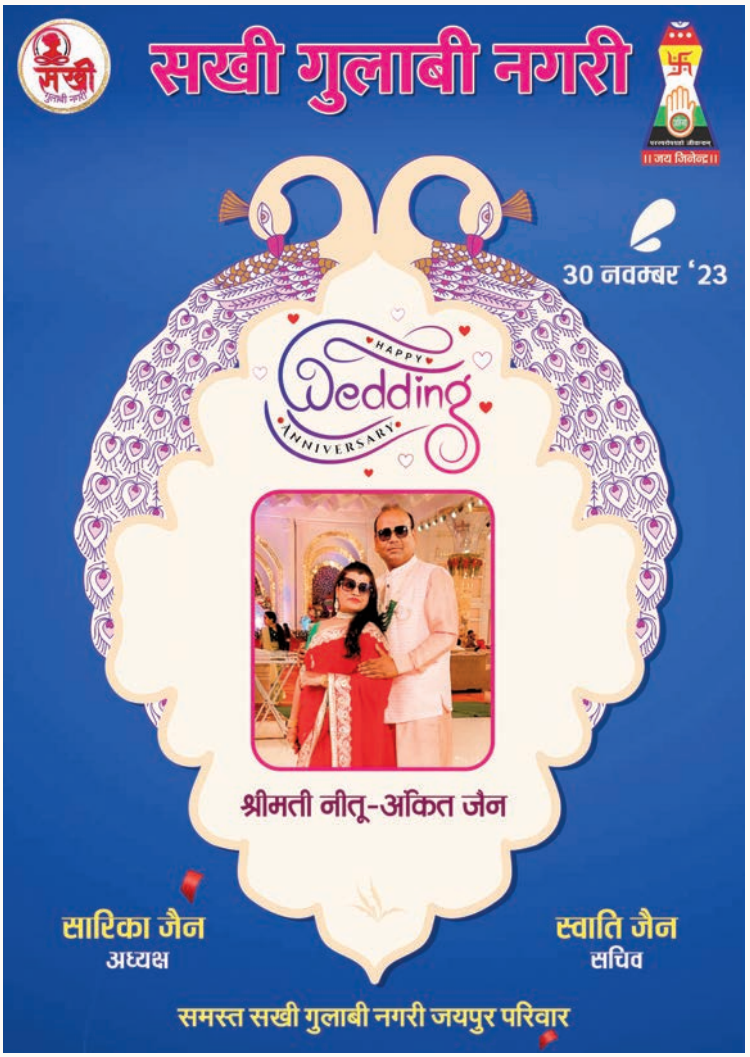

शिविर में 68 यूनिट रक्त एकत्रित

बैराठी शू कंपनी प्रा.लि. के स्थापना दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। बैराठी फाउंडेशन के तत्वावधान में बैराठी शू कंपनी प्रा.लि. के स्थापना दिवस के अवसर पर बुधवार को सीकर रोड स्थित मणिपाल हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर और मूलभूत स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। फाउंडेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. सौरभ बैराठी ने बताया कि सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक आयोजित इस शिविर में 68 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ जिसे जरूरतमंदों की सहायतार्थ मणिपाल हॉस्पिटल ब्लड बैंक को दिया गया। शिविर में रक्तदाताओं ब्लड जाँच रिपोर्ट, प्रमाण पत्र, गिफ्ट और प्रमाणपत्र दिए गए। शिविर में मनिपाल हॉस्पिटल से डॉ दीपक यदुवंशी, रंजन ठाकुर, डॉ दिव्या सेतिया और बैराठी शू के चेयरमैन कैलाश बैराठी मौजूद थे।

समाज सेवा के कार्यों में अग्रणी: बैराठी ने बताया कि बैराठी फाउंडेशन समाज सेवा के कार्यों में भी सदैव अग्रसर रहता है। फाउंडेशन ने वीकेआई औद्योगिक क्षेत्र और मंडा में 12 हजार पेड़ और लगभग पाँच हजार पौधे लगाए और मैंटेन करे जा रहे है। सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में किचन, कोरोना काल के दौरान कोरोना सेंटर्स के लिए ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर, बेड, इत्यादि उपलब्ध करवाए गए और जयपुर पुलिस को संक्रमण से बचाने के लिए 10 हजार एन-95 मास्कों का निशुल्क वितरण किया गया। इतना ही नहीं आमजन के लिए भी निशुल्क मास्क, सेनेटाइजर, पीपीई किट और होम्योपैथिक दवाइयों का वितरण किया गया। बारां के जिला अस्पताल में आईसीयू बेड की सुविधा उपलब्ध करवाई गई। फाउंडेशन प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री सहायता कोष में भी समय-समय पर आर्थिक सहयोग देता रहता है। विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र रोड नं. 17 में पुलिस चौकी का निर्माण, एसडीएम कार्यालय चौमूं में बगीचे का निर्माण, वृत्ताधिकारी गोविंदगढ़ कार्यालय में विश्राम गृह का निर्माण, हिंगोनिया गौशाला में गौवंश के लिए आर्थिक सहयोग, सिरोही सरकारी स्कूल में 1500 छात्रों को शू, आदि ऐसे समाज सेवा के कार्य हैं जो समय-समय पर फाउंडेशन द्वारा किए जाते रहे हैं। इन्हीं कार्यों के लिए फाउंडेशन को अमरीका राष्ट्रपति बिल क्लिंटन द्वारा सम्मानित भी किया गया है।

आचार्य वसुनंदी महाराज ने कहा...

जीवन की यात्रा में धूप और छाया का समावेश होता रहता है

बोलखेड़ा. शाबाश इंडिया। अंतिम अनुबद्ध केवली भगवान जम्बू स्वामी की तपोस्थली पर विराजमान दिगंबर जैन आचार्य वसुनंदी महाराज ने कहा की मानव जीवन अनेक विषमताओं से भरा हुआ है संसार में एक भी प्राणी ऐसा नहीं मिलेगा जिसके जीवन में निरंतर धूप धूप हो और ऐसा भी कोई प्राणी नहीं मिलेगा जिसने अपनी जीवन यात्रा सदैव छाया में ही पूर्ण की हो। अर्थात दुख और सुख जीवन की गाड़ी के दो पहलू हैं जिसे प्रत्येक मानव को साक्षात्कार करना होता है। आचार्य ने कहा की फूलों के साथ शूल अवश्य ही प्राप्त होते हैं नदी के किनारे भी दो होते हैं एक अनुकूल और दूसरा प्रतिकूल इसी प्रकार जीवन में कई बार अनुकूलता ही अनुकूलता होती है तो कई बार प्रतिकूलता ही प्रतिकूलता होती है पाप के उदय में व्यक्ति रोता है और पुण्योदय में व्यक्ति सोता है। आचार्य ने विस्तृत विवेचना करते हुए कहा की पुण्य उदय आने पर वह सब कुछ भूल जाता है और पाप की ओर अग्रसर होने लगता है। मानव को यह स्मरण होना चाहिए कि पाप का उदय मुझे ही भोगना पड़ेगा तब निःसन्देह मान लेना की व्यक्ति पाप करना छोड़ देंगे। जीवन सिर्फ हमारी शर्तों पर नहीं जिया जा सकता, जीने के लिए सामने वाले की शर्तों को भी स्वीकार करना अनिवार्य होता है। चाहे कितनी ही लंबी जिंदगी प्राप्त की हो उम्र का अंत होता ही है यदि व्यक्ति जिंदगी का अंत होने से पहले जीवन के मूल्यों को समझ ले तो वह अमृत्व की यात्रा कर ले जीवन को हमें अभिशाप नहीं वरदान बनाना है और वरदान बनाने का एक ही सूत्र है कि हम पाप के उदय में दीनता ना लाएं और पुण्य के उदय में अहंकार से परिपूर्ण ना हो।

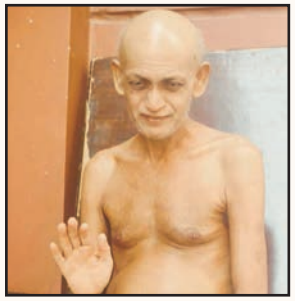

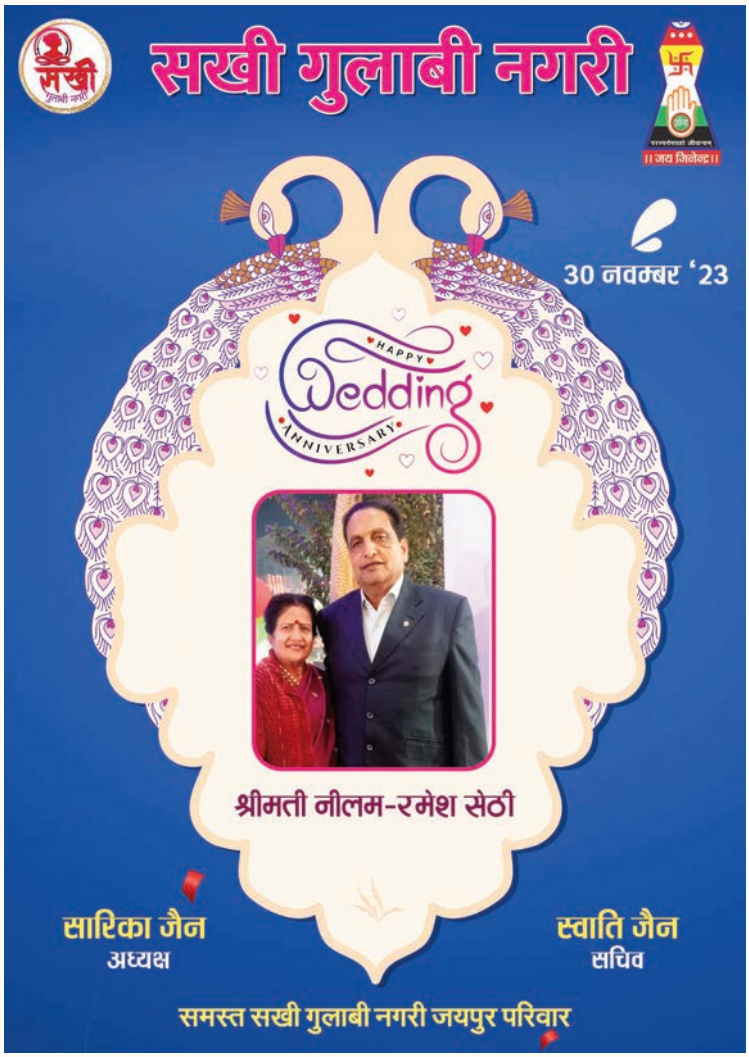

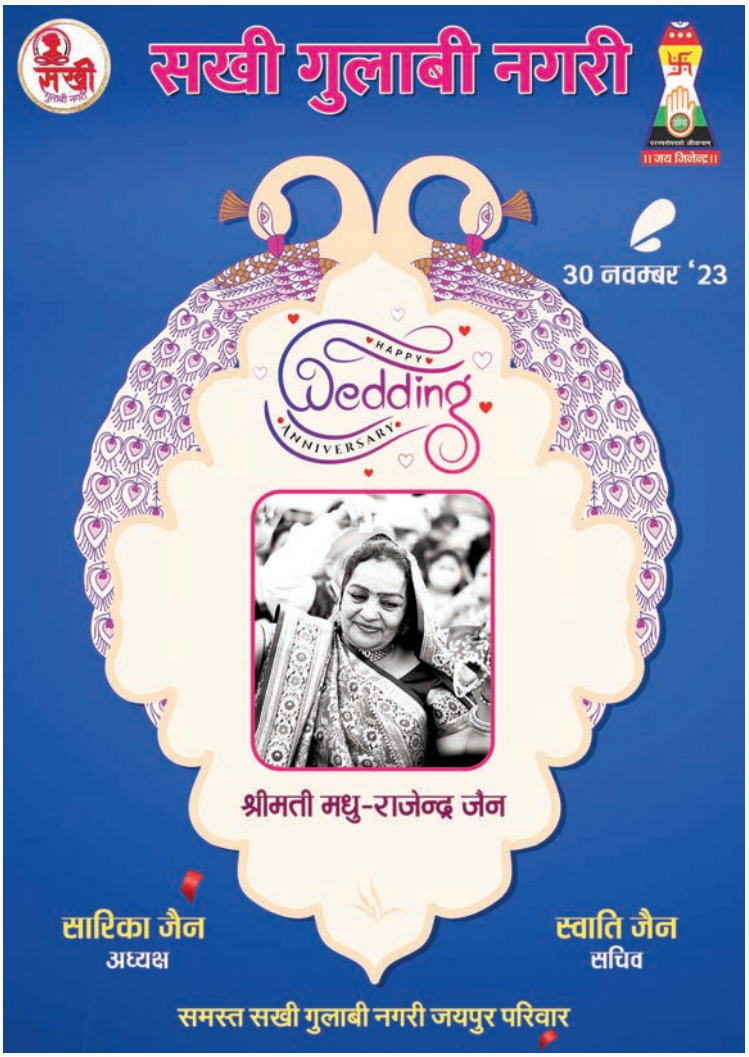

सब औजार होने के बावजूद भी हमारे बुजुर्ग प्याज को फोड़कर ही क्यों खाते थे

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

दोस्तों क्या आपने कभी खुद से सवाल किया है कि सारे औजार होने के बावजूद हमारे बुजुर्ग प्याज को फोड़ कर ही क्यों खाते थे, काट कर क्यों नहीं खाते थे तो उसका उत्तर इस प्रकार है:-प्याज पिछले 5000 साल से भारत भर में व आजकल सारे विश्व में उगाया व खाया जाता है। दोस्तो प्याज के काटने पर जितनी तेजी से उस में पाये जाने वाले पदार्थ रासायनिक क्रिया करते हैं उतणी किसी अन्य खाद्य पदार्थ के नहीं करते। प्याज में सल्फर की मात्रा अधिक होती है अतः रासायनिक प्रक्रिया का जो अंतिम उत्पाद बणता है वो होता है सल्फ्युरिक अम्ल (H2SO4), यह अम्ल एक्वा रिजिया के बाद पाया जाने वाला सबसे शक्तिशाली अम्ल होता है जो सोने व प्लेटिनम को छोड़ किसी भी धातु के साथ क्रिया कर उसे नष्ट कर सकता है। दूसरी बात प्याज की हर परत पर ऊपर व नीचे एक झिल्ली होती है यो कि अपाच्य होती है। वह झिल्ली फोड़णे से ही अलग हो पाती है, काटणे पर वह साथ में कट जाती है। इसलिए प्याज को किसी भी धातु से काटणा उचित नहीं है। खुद को आधुनिक दिखाने के लिए इसे काटकर नहीं फोड़ कर खाना चाहिए. आप भी आगे से ऐसा ही कीजिये.यह

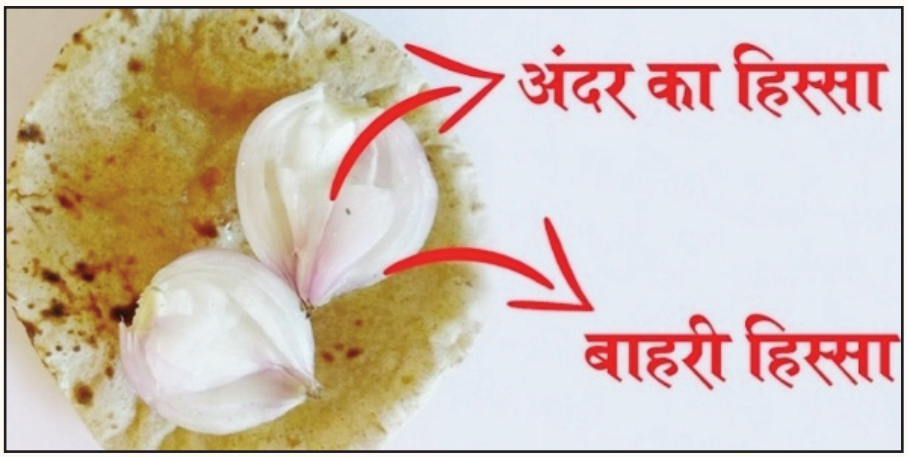

सल्फर युक्त पदार्थ गंठे (प्याज) की ऊपरी परतों में सबसे ज्यादा होता है तथा बीच में नाम मात्र का होता है। Wageningen विश्वविद्यालय, नीदरलैंड्स की खोज के अनुसार गंठे (प्याज) के बीच में पाये जाने वाला quercetin बहुत ही प्रभावी ऐंटिऑक्सिडेंट है जो कि

जवानी को बरकरार रखता है तथा विटामिन ई का मुख्य स्त्रोत है। वैसे तो यह पदार्थ चाय व सेब में भी पाया जाता है लेकिन गंठे (प्याज) के बीच में पाया जाने वाला पदार्थ चाय के पदार्थ से दो गुणा व सेब में पाये जाने वाले इसी पदार्थ से तीन गुणा जल्दी हजम होता है। 100 ग्राम गंठे (प्याज) में यह 22.40 से 51.82 मिलीग्राम तक होता है।दूसरी बात प्याज की हर परत पर ऊपर व नीचे एक झिल्ली होती है यो कि अपाच्य होती है। वह झिल्ली फोड़णे से ही अलग हो पाती है, काटणे पर वह साथ में कट जाती है। इसलिए प्याज को किसी भी धातु से काटणा उचित नहीं है। खुद को आधुनिक दिखाने के लिए इसे काटकर नहीं फोड़ कर खाना चाहिए. आप भी आगे से ऐसा ही कीजिये.यह सल्फर युक्त पदार्थ गंठे (प्याज) की ऊपरी परतों में सबसे ज्यादा होता है तथा बीच में नाम मात्र का होता है। Wageningen विश्वविद्यालय, नीदरलैंड्स की खोज के अनुसार गंठे (प्याज) के बीच में पाये जाने वाला quercetin बहुत ही प्रभावी ऐंटिऑक्सिडेंट है जो कि जवानी को बरकरार रखता है तथा विटामिन ई का मुख्य स्त्रोत है। वैसे तो यह पदार्थ चाय व सेब में भी पाया जाता है लेकिन गंठे (प्याज) के बीच में पाया जाने वाला पदार्थ चाय के पदार्थ से दो गुणा व सेब में पाये जाने वाले इसी पदार्थ से तीन गुणा जल्दी हजम होता है। 100 ग्राम गंठे (प्याज) में यह 22.40 से 51.82 मिलीग्राम तक होता है।

पाटनी दंपति ने वैवाहिक वर्षगांठ पर जरूरतमंद छात्र छात्राओं को स्वेटर वितरण किए

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया

स्थानीय राजकीय गणेशीराम झंवर उच्च माध्यमिक विद्यालय में गुवाहाटी प्रवासी पदमचंद शांति देवी पाटनी की 55 वी वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर पाटनी परिवार के सौजन्य से सुजलांचल विकास मंच समिति के तत्वावधान में 175 जरूरतमंद छात्र छात्राओं को स्वेटर वितरण का कार्यक्रम रखा गया। सर्वप्रथम विद्या की देवी मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का आगाज अतिथियों ने किया। समिति के उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद पाटनी ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे दिगम्बर जैन समाज के संरक्षक खेमचंद बगड़ा ने कहा कि दीन हीन असहाय जरूरतमंद की सेवा में पाटनी परिवार हर समय तत्पर रहता है । वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर जो पुनीत कार्य किया इस तरह जरूरतमंद की मदद कर जन्मदिन वैवाहिक वर्षगांठ मनानी चाहिए। समिति निरंतर नगर में सामाजिक सरोकार के उल्लेखनीय कार्य कर रही है। जिसके लिए व प्रशंसा की पात्र है। मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी विमल कुमार पाटनी ने उपस्थित छात्र छात्राओं से कहा कि कोई भी कार्य मुश्किल नही होता उसको करने की इच्छा शक्ति मन में होनी चाहिए महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर जीवन में सफलता हासिल कर देश व समाज की कीर्ति को आगे बढ़ाना चाहिए। समाजसेवी श्याम स्वर्णकार ने पुनीत कार्य हेतु भामाशाह पाटनी का आभार प्रकट किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com